‘सभी नागरिक महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रोत्थान का संकल्प लें’

हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने पर उदयपुर में ‘‘राष्ट्र चेतना संकल्प सभा’’ का आयोजन

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, निम्बार्काचार्य श्रीजी श्याम शरण देवाचार्य आदि मौजूद रहे।

■ दुनिया में कहीं अकबर की जयंती नहीं मनाई जाती, जबकि महाराणा प्रताप का स्मरण आज भी जन-जन करता है : डॉ. मोहन भागवत

उदयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत का इतिहास पराधीनता का नहीं, बल्कि विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध निरंतर चले संघर्ष, प्रतिरोध और आत्मगौरव का इतिहास है। हल्दीघाटी का युद्ध केवल दो सेनाओं का युद्ध नहीं था, बल्कि राष्ट्रचेतना और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संपूर्ण समाज द्वारा लड़ा गया महासंग्राम था। हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने और वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर उदयपुर के गांधी ग्राउंड में प्रताप गौरव केन्द्र राष्ट्रीय तीर्थ के तत्वावधान में आयोजित विशाल ‘‘राष्ट्र चेतना संकल्प सभा’’ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी की विजय इसलिए हुई क्योंकि महाराणा प्रताप का जन्म हुआ था। उन्होंने कहा कि यदि युद्ध के बाद भी शत्रु भय और असुरक्षा की स्थिति में रहा, तो वास्तविक विजय किसकी थी, इसका निर्णय इतिहास स्वयं करता है।

डॉ. भागवत ने कहा, दुनिया में कहीं अकबर की जयंती नहीं मनाई जाती, जबकि महाराणा प्रताप का स्मरण आज भी जन-जन करता है। इतिहास का यह लोकनिर्णय स्वयं बताता है कि विजय किसकी हुई थी। सरसंघचालक ने कहा कि भारत की शक्ति उसकी एकता, समरसता और आत्मविश्वास में निहित है। केवल संकट के समय ही नहीं, बल्कि सामान्य परिस्थितियों में भी समाज को संगठित और जागृत रहना होगा। उन्होंने कहा कि स्वाभिमान और ‘स्व’ का भाव जब तक जीवित रहेगा, तब तक भारत हर चुनौती का सामना करते हुए विजय की नई गाथाएं रचता रहेगा। उन्होंने उपस्थित जनसमूह का आव्हान करते हुए कहा कि सभी नागरिक महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रोत्थान, समाज संगठन और विश्वकल्याण का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि भारत का उत्थान ही विश्व के कल्याण का मार्ग है और इसी दिशा में कार्य करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

समारोह में विशिष्ट अतिथि निम्बार्काचार्य श्रीजी श्याम शरण देवाचार्य ने कहा कि यह आयोजन केवल एक ऐतिहासिक स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का महापर्व है। उन्होंने कहा कि वर्षों से इतिहास के संबंध में फैलाई गई भ्रांतियों का निराकरण अब समाज के सामने हो रहा है और महाराणा प्रताप के वास्तविक गौरव को पुन: स्थापित किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवती प्रकाश शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि अब समय आ गया है कि हल्दीघाटी युद्ध के वास्तविक इतिहास को जन-जन तक पहुंचाया जाए और उन भ्रांतियों का निराकरण किया जाए जो वर्षों से समाज में प्रचारित की जाती रही हैं। डॉ. शर्मा ने समाज के सभी वर्गों से आव्हान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर हल्दीघाटी विजय के ऐतिहासिक सत्य को नई पीढ़ी तक पहुंचाएं। इससे पूर्व, आरंभ में प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने सभी का स्वागत करते हुए वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति व समिति के अंतर्गत संचालित प्रताप गौरव केन्द्र का परिचय दिया। उन्होंने युवा पीढ़ी से हल्दीघाटी विजय का उद्घोष पूरे विश्व में गुंजाने का प्रण लेने का आव्हान किया।

राष्ट्र चेतना संकल्प सभा में मेवाड़-वागड़ के कई संत-महंतों का सान्निध्य प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, भागीरथ चौधरी, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन सिंह राठौड़, सांसद सीपी जोशी, डॉ. मन्नालाल रावत, राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया, धरोहर संरक्षण प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत आदि उपस्थित थे। विशेष रूप से नाथद्वारा विधायक व मेवाड़ राजपरिवार के महाराणा विश्वराज सिंह मेवाड़ भी उपस्थित थे। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ भी सभा में उपस्थित थीं।

झुंझुनूं में अन्नपूर्णा रसोई योजना में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया

जिले की तीन संस्थाओं को स्वायत्त शासन विभाग ने ब्लैकलिस्ट किया

झुंझुनूं, (निसं)। गरीब और जरूरतमंद लोगों को सस्ती दर पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए संचालित अन्नपूर्णा रसोई योजना में फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है। गरीबों के नाम पर सरकारी धन हड़पने की कोशिश करने वाली झुंझुनूं जिले की तीन संस्थाओं पर स्वायत्त शासन विभाग ने कार्रवाई करते हुए उन्हें ब्लैकलिस्ट कर दिया है। साथ ही प्रत्येक संस्था पर एक-एक लाख रुपए की पेनल्टी भी लगाई गई है।

कार्रवाई के दौरान सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि फर्जीवाड़ा पकड़े जाने पर संस्थाओं ने ऐसे-ऐसे तर्क दिए, जिन्हें पढ़कर विभागीय अधिकारी भी चौंक गए। विभाग ने इन जवाबों को असंतोषप्रद, अतार्किक और तथ्यहीन मानते हुए खारिज कर दिया। विभाग की आईटी टीम ने मार्च और अप्रैल माह में काटे गए भोजन कूपनों की जांच की। जांच में सामने आया कि झुंझुनूं नगर परिषद क्षेत्र की रसोई संख्या 1520 और पिलानी नगर पालिका क्षेत्र की रसोई संख्या 1271 में एक ही फोटो की फोटो खींचकर नए लाभार्थी दिखाए गए और फर्जी कूपन काटे गए, ताकि अधिक से अधिक भुगतान उठाया जा सके।

जब झुंझुनूं की रसोई संचालित करने वाली संस्था से जवाब मांगा गया तो उसने दावा किया कि कच्ची बस्तियों और झुग्गी-झोपड़ियों के लोग प्रतिदिन भोजन करने आते हैं। इसलिए फोटो एक जैसी दिखाई दे रही हैं। विभाग ने इस तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसी तरह पिलानी की रसोई में गड़बड़ी सामने आने पर संचालक संस्था ने पूरा दोष कंप्यूटर ऑपरेटर पर मढ़ दिया। लेकिन विभाग ने साफ कहा कि फर्जी कूपनों का आर्थिक लाभ संस्था को मिलता है। कंप्यूटर ऑपरेटर को नहीं। सबसे दिलचस्प जवाब चिड़ावा नगरपालिका क्षेत्र की रसोई संख्या 439 के मामले में सामने आया। यहां जांच में पाया गया कि लाभार्थियों की पुरानी तस्वीरें सुरक्षित रखकर उन्हें बार-बार अपलोड कर फर्जी कूपन काटे गए। इस पर संस्था ने सफाई दी कि उनके यहां आने वाले लाभार्थी इतने गरीब हैं कि उनके पास पर्याप्त कपड़े नहीं हैं और वे रोज एक ही कपड़े पहनकर भोजन करने आते हैं। विभाग ने इस जवाब को भी तथ्यहीन और हास्यास्पद मानते हुए खारिज कर दिया। तीनों मामलों में दोषी पाई गई संस्थाओं को ब्लैकलिस्ट करते हुए संबंधित निकायों को रसोई संचालन नियमित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही एक-एक लाख रुपए की पेनल्टी लगाने के आदेश जारी किए गए हैं। यह राशि संस्थाओं के बिलों से समायोजित की जाएगी या फिर पीडीआर एक्ट के तहत वसूली जाएगी। जानकारों का कहना है कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो टॉलरेंस नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ’’ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा’’ संकल्प के अनुरूप की गई है। कार्रवाई के बाद जिलेभर में अन्नपूर्णा रसोई संचालित करने वाली संस्थाओं में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं चर्चा है कि अन्य रसोइयों की जांच में भी इसी तरह की गड़बड़ियां सामने आ सकती हैं।

श्रीडूंगरगढ़ में हुये हादसे में दूसरे घायल ने भी दम तोड़ा

■ दो दिन में हुये सड़क हादसों में नौ लोगों की मौत हो चुकी है

बीकानेर, (निसं) जिले के श्रीडूंगरगढ़ में कालू रोड पर मंगलवार शाम हुए सड़क हादसे में घायल दूसरे सगे भाई की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में पहले रामकुमार सारस्वत की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल उनके भाई देवकरण उर्फ रामरख सारस्वत को पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया था। बुधवार को उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। इसके साथ ही इस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है।

देवकरण (रामरख) के साथ पीबीएम अस्पताल पहुंचे परिजनों ने ट्रॉमा सेंटर पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि समय पर उचित उपचार नहीं मिलने के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। हालांकि इस मामले में अस्पताल प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। कालू रोड पर गुसाईंसर बड़ा के पास मारुति एर्टिका कार और पिकअप-कैम्पर के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई थी। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार राजेरा गांव निवासी रामकुमार सारस्वत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके भाई देवकरण उर्फ रामरख गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बाद में इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद पिकअप वाहन भी पलट गया। हादसे में गांव सातलेरा निवासी गिरधारीलाल जाखड़, उनकी पत्नी शारदा जाखड़, बेनीसर निवासी संतोष जाखड़ और श्रीडूंगरगढ़ निवासी गौरव टाडा भी घायल हो गए। सभी घायलों का उपचार कराया गया और गंभीर घायलों को बीकानेर रेफर किया गया। हादसे की सूचना मिलते ही डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम वेलफेयर सोसायटी और आपणों गांव सेवा समिति की एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। सेवादारों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को श्रीडूंगरगढ़ उपजिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद पांचों घायलों को बेहतर इलाज के लिए बीकानेर रेफर किया गया।

हादसे की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक गिरधारीलाल महिया, विधायक ताराचंद सारस्वत के पुत्र शिव सारस्वत, आरएलपी नेता विवेक माचरा, दलित नेता राजेंद्र बापेऊ और कॉमरेड सीमा जैन सहित कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता पीबीएम ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। सभी ने घायलों और मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। लगातार दो दिनों के भीतर सड़क हादसों में 9 लोगों की मौत ने पूरे श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। इससे पहले सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के सात लोगों की जान चली गई थी। अब कालू रोड हादसे में दो सगे भाइयों की मौत के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है और लोग लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर चिंता जता रहे हैं।

बीकानेर के पीबीएम में प्रसूताओं की किडनी फेल होने के मामले की दिल्ली एम्स ने समीक्षा की

■ नई दिल्ली एम्स की हाई लेवल विशेषज्ञ समिति और बीकानेर के सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के सीनियर डॉक्टरों के बीच वर्चुअल बैठक हुई

■ बैठक में एम्स की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीना मल्होत्रा ने पूरे मामले की समीक्षा की।सामने आया कि पीबीएम में भर्ती प्रसूताओं की हालत पहले से ही गंभीर थी

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम अस्पताल में गंभीर प्रसूताओं के मामले में अब देश के सबसे बड़े मेडिकल एक्सपर्ट्स की एंट्री हो गई है। नई दिल्ली एम्स की हाई लेवल विशेषज्ञ समिति और बीकानेर के सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के सीनियर डॉक्टरों के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण टेली कंसल्टेशन (वर्चुअल) बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल भी वर्चुअल शामिल हुए।

जानकारी के अनुसार मंत्री मेघवाल पीबीएम अस्पताल पहुंचे थे, तब उन्होंने पीड़ित परिवारों से वादा किया था कि वे इस मामले में देश के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों का मार्गदर्शन दिलवाएंगे। महज 48 घंटे के भीतर दिल्ली एम्स के निदेशक ने चार सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की एक हाई लेवल कमेटी गठित कर दी, जिसने मंगलवार को सीधे बीकानेर के डॉक्टरों से संवाद किया। बैठक में एम्स की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीना मल्होत्रा ने पूरे मामले की समीक्षा की। सामने आया कि पीबीएम अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं की हालत पहले से ही अत्यधिक गंभीर थी। इन महिलाओं ने प्रसव से पहले (एंटीनेटल) न तो जरूरी चेकअप करवाए थे और न ही समय पर आवश्यक दवाइयां ली थीं। जब इन्हें निचले अस्पतालों से पीबीएम रेफर किया गया, तब इनका हीमोग्लोबिन बेहद कम और ब्लड प्रेशर खतरनाक स्तर तक बढ़ा हुआ था। जटिलताएं अधिक होने के कारण केस बिगड़े।

एम्स की कमेटी ने इस बैठक में बीकानेर संभाग के चिकित्सा ढांचे को लेकर एक बड़ा सुझाव दिया है। डॉ. नीना मल्होत्रा ने कहा कि भविष्य में ऐसे गंभीर मामलों को रोकने के लिए ग्रामीण और ब्लॉक स्तर के चिकित्सा संस्थानों जैसे पीएचसी, सीएचसी और अन्य निचले अस्पतालों को और अधिक सुदृढ़ करने की जरूरत है, ताकि मरीजों को शुरुआती स्तर पर ही सही इलाज और सलाह मिल सके। प्रो. डॉ. नीना मल्होत्रा (विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग की अध्यक्षता में गठित एम्स की टीम में प्रो. डॉ. विमी रेवारी (एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ), प्रो. डॉ. संदीप महाजन, प्रो. डॉ. हेमचंद्र पांडे शामिल थे। मेडिकल कॉलेज की टीम में प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र वर्मा के साथ डॉ. परमिंदर सिरोही, डॉ. जितेंद्र फलोदिया, डॉ. रवि चांडक, डॉ. जिनेश, डॉ. खेताराम, डॉ. सुमन बुडानिया सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद रहे। बीकानेर के डॉक्टरों के लिए राहत की बात यह रही कि एम्स की विशेषज्ञ टीम ने पीबीएम अस्पताल द्वारा अब तक किए गए इलाज और केयर पर पूरी तरह संतोष जताया।

सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र वर्मा ने बैठक में बताया कि पीबीएम के वरिष्ठ व अनुभवी डॉक्टरों की टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रही है। इसका असर यह है कि दो गंभीर प्रसूताओं की स्थिति में अब तेजी से सुधार हो रहा है और उन्हें आने वाले कुछ दिनों में अस्पताल से डिस्चार्ज (छुट्टी) कर दिया जाएगा।

हादसे में युवक की मौत

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिले के रिफाइनरी क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब पचपदरा से बाडमेर जा रही एक बस ने साभंरा के पास बाइक को टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान रमेश पुत्र शोमाराम भील निवासी साभंरा के रूप में हुई है। रमेश साभंरा स्थित बालाजी गौशाला में कार्यरत था और गौशाला में दूध सप्लाई का काम करता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की टक्कर इतनी जोरदार थी कि रमेश गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पचपदरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

एनजीटी के आदेशों की पालना व ओवरलोड ट्रकों को बंद करवाने की मांग

■ जोधपुरा संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना 1286 वें दिन जारी भी रहा

■ ‘अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के ओवरलोड वाहनों से ग्रामीणों को भारी परेशनी का सामना करना पड़ रहा है’

कोटपूतली, (निसं)। जोधपुरा संघर्ष समिति द्वारा दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को लगातार 1286 वें दिन भी जारी रहा। समिति द्वारा एनजीटी के आदेशों की पालना व गांव की आबादी से गुजरने वाले ओवरलोड ट्रकों को पूर्णत: बंद करवाने की मांग को लेकर बुधवार को जिला कलैक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया।

सचिव कैलाश यादव व उपाध्यक्ष सतपाल यादव ने बताया कि एनजीटी के आदेशों की पालना नहीं होने एवं अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के ओवरलोड वाहनों से ग्रामीणों को भारी परेशनी का सामना करना पड़ रहा है। प्लांट के निकट आबादी क्षेत्र में संचालित क्रेशर एवं खनन क्षेत्र में होने वाली ब्लास्टिंग के कारण स्थानीय ग्रामीणों का जीवन अत्यंत प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा अनेक बार प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा भी ग्रामीणों के पक्ष में आदेश पारित किए जा चुके हैं, किन्तु उनका प्रभावी पालन नहीं हो रहा है। वर्तमान में प्लांट परिसर एवं खनन क्षेत्र तथा क्रेशर क्षेत्र में रात्रिकाल में हाई मास्ट लाईटों के अत्यधिक उपयोग से आसपास के निवासियों की नींद प्रभावित हो रही है। साथ ही धूल एवं प्रदूषण के कारण बच्चों, बुजुर्गों तथा अन्य ग्रामीणों में एलर्जी, दमा एवं श्वास संबंधी बीमारियों की शिकायतें बढ़ रही हैं। एनजीटी न्यायालय ने आबादी, स्कूल व मंदिर से 500 मीटर की दूरी छोड़कर ब्लास्टिंग किए जाने के आदेश दिए हैं, फिर भी अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट द्वारा 250 से 300 मीटर की दूरी पर ब्लास्टिंग की जा रही है। सीमेंट प्लांट से संबंधित ओवरलोड ट्रक एवं भारी वाहन ग्रामीण सड़क से गुजरते हैं, जिससे अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण उत्पन्न होता है। यह सड़क मूल रूप से ग्रामीण उपयोग हेतु निर्मित है तथा इसके आसपास आबादी, विद्यालय एवं खेल मैदान स्थित हैं। भारी वाहनों के आवागमन से दुर्घटना का गंभीर खतरा बना रहता है तथा ग्रामीणों में भय एवं असुरक्षा का वातावरण है।

सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास ने सीमेंट प्लांट एवं क्रेशर से संबंधित ओवरलोड वाहनों की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही, आबादी क्षेत्र, विद्यालय एवं खेल मैदान के निकट से भारी वाहनों के आवागमन पर तत्काल रोक अथवा वैकल्पिक मार्ग निर्धारित करने, एनजीटी के आदेशों की प्रभावी पालना, रात्रिकालीन ध्वनि एवं प्रकाश प्रदूषण पर नियंत्रण हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित करने, ग्रामीणों के जीवन, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की रक्षा हेतु आवश्यक प्रशासनिक कदम उठाने की मांग की हैं।

राधेशाम शुक्लावास ने कहा कि यदि शीघ्र उचित कार्यवाही नहीं की जाती है तो ग्रामीण लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन अब सड़क पर बैठक करने के लिए बाध्य होंगे। आबादी व स्कूल के बीचों बीच भारी वाहनों को नहीं चलने दिया जायेगा। ऐसी स्थिति में कानून-व्यवस्था संबंधी किसी भी अप्रिय परिस्थिति की जिम्मेदारी प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों की होगी। इस दौरान कृष्ण रावत, भूपसिंह धानका, ग्यारसी लाल सहित जोधपुरा संघर्ष समिति के अनेक लोग मौजूद रहे।

चेन चोरी का खुलासा, दो महिलायें गिरफ्तार

सरवाड़/ अजमेर। सरवाड़ कस्बे में आयोजित अमृतराम महाराज की कथा के दौरान महिलाओं के गले से सोने की चेन चोरी करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक सोने की चेन भी बरामद की है। फिलहाल दोनों महिलाओं से पूछताछ जारी है।

जानकारी के अनुसार, सरवाड़ के खिरिया गेट स्थित माली भवन में आयोजित अमृतराम महाराज की कथा के दौरान माया देवी माली और विमला देवी शर्मा के गले से सोने की चेन चोरी हो गई थी। दोनों महिलाओं ने सरवाड़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि कथा सुनने के दौरान अज्ञात लोगों ने उनके गले से चेन पार कर दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दिल्ली निवासी चांदनी और अंबिका को कोटा से हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद दोनों महिलाओं को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से एक सोने की चेन बरामद कर ली गई है। मामले में अन्य वारदातों और संभावित सहयोगियों के संबंध में भी जांच की जा रही है।

मसूदा के पुराने बस स्टैंड पर जाम से परेशानी

मसूदा, (निसं)। मसूदा का पुराना बस स्टैंड और आसपास का क्षेत्र इन दिनों अव्यवस्थित पार्किंग के कारण गंभीर यातायात समस्या का सामना कर रहा है। सड़क किनारे खड़े वाहनों के चलते दिनभर जाम जैसे हालात बने रहते हैं और आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है। मुख्य बाजार और प्रशासनिक केंद्र होने के कारण इस क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बसों, टैक्सियों, ऑटो रिक्शा, टेम्पो और निजी वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से चालक सड़क किनारे ही वाहन खड़े कर सवारियां भरते हैं। इससे मार्ग संकरा हो जाता है और बड़े वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है।

बूंदी के भोपतपुरा गांव के लोगों ने गिद्धों को बचाने की अभिनव पहल शुरु की

भोपतपुरा के रेंजर जनक सिंह ने ग्रामीणों के साथ मिलकर गिद्धों के भोजन के लिए व्यवस्था की।

■ एक साल से जंगल में बसे सुंठी गांव के निकट गिद्धों के भोजन के लिए मृत स्वस्थ नर मवेशियों को डालने की शुरुआत की

■ राज्य में बढ़ रही है गिद्धों की तादात, लेकिन इनके पुनर्वास के लिए योजना नहीं बनी है

बूंदी, (निसं)। हाड़ौती सहित राजस्थान में लगभग 30 साल पहले तक बड़े आकार वाले गिद्ध पक्षी हर गांव और शहर के आसपास सहज रूप से नजर आ जाते थे। सड़क किनारे किसी मृत जानवर की खाल उतारने से पहले ये पक्षी आकाश में मंडराते हुए आसपास जमा हो जाते और तत्काल मृत शरीर पर टूट पड़ते। देखते ही देखते चंद घंटों में पूरे मवेशी के मांस को खाकर उसे कंकाल में बदल देते थे। जंगल या खेत के ऊपर यदि कोई गिद्ध समूह चक्कर लगाता दिखता तो लोग अनुमान लगा लेते थे कि वहां कोई मवेशी मरा हुआ है। तीन दशक पहले तक आसमान में गोल-गोल चक्कर काटते गिद्धों का समूह दिखना एक आम बात थी, लेकिन देखते ही देखते अचानक से ये पक्षी गायब हो गए और जो बचे वो भी गांव शहर से दूर पहाड़ी कंदराओं तक सिमट कर अपनी प्रजाती का अस्तित्व बचाने की मशक्कत कर रहे हैं।

विलुप्त होने के गंभीर संकट के बीच इन्होंने जंगल में वन्यजीवों की मौत या किसी हिंसक जीव के बचे शिकार से अपना अस्तित्व बचाए रखा, लेकिन जंगलों में भी अब वन्यजीवों की संख्या कम होने से ये पक्षी भूख-प्यास से दम तोड़ने लगे हैं जो एक चिंतनीय पहलू है। यदि समय रहते इनके भोजन व संरक्षण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो वो दिन दूर नहीं जब केवल ये पक्षी चित्रों में ही देखने को मिलेंगे।

कागजों से बाहर नहीं निकला गिद्ध बचाओ अभियान :-राजस्थान के जंगलों में तीन दशक पहले गिद्धों की सभी प्रजातियां मौजूद थी, लेकिन अचानक से इनके गायब होने के बाद गिद्ध संरक्षण के लिए बनी योजनाओं पर राज्य में बीकानेर के अलावा अन्य जगहों पर कोई उल्लेखनीय काम नहीं हुआ। इस मामले में मध्यप्रदेश में सराहनीय प्रयास हुए हैं, जिससे वहां गिद्धों के संरक्षण की प्रभावी योजना बनी है। राजस्थान में हाड़ौती के सभी जिलों में इनकी मौजूदगी दर्ज की गई है। कोटा, झालावाड़ व बारां के अलावा बूंदी की चंबल नदी घाटी, बरड़, भीमलत, कालदां, तलवास, व रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में इनकी तीन-चार प्रजातियां बची हुई हैं जिनके लिए कार्य योजना बनाई जानी चाहिए।

भोपतपुरा रेंजर ने की गिद्ध संरक्षण की पहल, किए पुख्ता प्रबंध :-जिले के रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन भीमलत क्षेत्र में गिद्धों की उपस्थिति को देखते हुए भोपतपुरा के रेंजर जनक सिंह ने ग्रामीणों के साथ मिलकर अभिनव पहल की है। एक साल से जंगल में बसे सुंठी गांव के निकट गिद्धों के भोजन के लिए मृत स्वस्थ नर मवेशियों को डालने की शुरुआत की। इसके लिए उन्होंने ग्रामीणों से समझाइश कर मृत मवेशी की सूचना देने का अनुरोध किया। मृत मवेशी डालने का काम भी वन विभाग ही करता है तथा कैमरे लगाकर इसकी निगरानी भी की जा रही है। इसके परिणाम भी सुखद रहे और क्षेत्र में इन दुर्लभ जीवों की संख्या बढ़ने लगी है। आवश्यकता इस बात की है कि इस तरह के प्रयोग सरकारी स्तर पर अन्य गिद्ध उपस्थिति वाले क्षेत्रों में भी किया जाना चाहिए।

हाईवे की सर्विस रोड पर खड़े ट्रेलर में आग लगी, बड़ा हादसा टला

पावटा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर पाथरेड़ी पुलिया के समीप सर्विस रोड पर खड़े एक ट्रेलर में अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर सर्विस रोड किनारे खड़ा था, तभी उसमें से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने ट्रेलर के एक हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। बाद में कोटपुतली नगर परिषद व पावटा प्रागपुरा नगरपालिका दमकल कर्मियों की सहायता से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। वहीं प्रागपुरा थाना पुलिस व सरुंड थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

प्रागपुरा थाना पुलिस एएसआई कंवर सिंह ने बताया कि सुबह 11.50 पर ट्रेलर में आग लगने की सूचना मिली जिस पर मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की व ट्रेलर नंबरों से मालिक का पता लगाकर उसको सूचना दी गई। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट अथवा तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। घटना में ट्रेलर को आंशिक नुकसान पहुंचा है। राहत की बात यह रही कि आग लगने के समय ट्रेलर के आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई। घटना के दौरान कुछ समय के लिए सर्विस रोड पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन प्रशासन और स्थानीय लोगों की तत्परता से स्थिति जल्द ही सामान्य कर दी गई। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने हाईवे और सर्विस रोड पर खड़े भारी वाहनों की नियमित जांच तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।